

चार प्रमुख धामो में से एक बद्रीनाथ मन्दिर की संपूर्ण कथा।

भोपाल (विस्के), बद्रीनाथ मंदिर, जिसे बद्रीनाथगंगा मंदिर भी कहते हैं, अलकनन्दा नदी के किनारे उत्तराखण्ड राज्य में स्थित है। यह मंदिर भगवान विष्णु के रूप बद्रीनाथ को समर्पित है। यह हिन्दुओं के चार धाम में से एक धाम भी है। त्रिकेश्वर से यह 294 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में स्थित है।

ये पंच-बदरी में से एक बद्री है। उत्तराखण्ड में पंच बदरी, पंच केदार तथा पंच प्रयाग पौराणिक दृष्टि से तथा हिन्दू धर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

यहाँ पर शीत के कारण अलकनन्दा में स्नान करना अत्यन्त ही कठिन है। अलकनन्दा के तीर्थ स्नान ही किये जाते हैं। यहाँ तमकुण्ड में स्नान करते हैं। यहाँ वनकुली की माला,

चने की कच्ची दाल, गिरी का गोला और मिश्री आदि का प्रसाद चढ़ाया जाता है।

छोटा चार धाम।
बद्रीनाथ की मूर्ति शालग्रामशिला से बनी हुई, चतुर्भुज ध्यानमुद्र में है। कहा जाता है कि यह मूर्ति देवताओं ने नारदकृष्ण से निकालकर स्थापित की थी। सिद्ध, जड़ी, मुनि इस्के प्रधान अर्चक थे। जब बौद्धों का प्रबलत्व हुआ तब उन्होंने इसे बुद्ध की मूर्ति मानकर पूजा आरंभ की। शंकरचर्या की प्रचार-यात्रा के समय बौद्ध लिखत भागते हुए मूर्ति को अलकनन्दा में फेंक गए। शंकराचार्य ने अलकनन्दा से पुनः नगर निकालकर उसकी स्थापना की।

तदनन्तर मूर्ति पुनः स्थापनरहित हो गयी और तीर्थरी बर तमकुण्ड से निकालकर रामानुजचार्य ने इसकी स्थापना की।

पौराणिक महत्व
पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब गंगा नदी भरती पर अवतरती है, तब यह 12 धाराओं में बंट पड़ती है। इस स्थान पर मोरघुंड धारा अलकनन्दा के नाम से विद्यमान है। अलकनन्दा के तीर्थ स्नान ही किये जाते हैं। यहाँ तमकुण्ड में स्नान करते हैं। यहाँ वनकुली की माला,



मंदिर का इतिहास

की प्रतिमा वाला। वर्तमान मंदिर 3,133 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और माना जाता है कि आदि शंकराचार्य, आठवीं शताब्दी के दार्शनिक संत ने इसका निर्माण कराया था। इसके पश्चिम में 27 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बद्रीनाथ शिवर कि ऊँचाई 7,138 मीटर है। बद्रीनाथ में एक मंदिर है, जिसमें बद्रीनाथ वा विष्णु की वेदी है। यह 2,000 वर्ष से भी अधिक समय से एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थान रहा है।

पौराणिक कथाओं और यहाँ की लोक कथाओं के अनुसार यहाँ नीलकण्ठ

पर्वत के समीप भगवान विष्णु ने बाल रूप में अवतरण किया। यह स्थान पहले शिव भूमि (केदार भूमि) के रूप में व्यवस्थित था। भगवान विष्णुजी अपने ध्यानयोग हेतु स्थान छोड़ रहे थे और उन्हें अलकनन्दा नदी के समीप यह स्थान बहुत भा गया। उन्होंने वर्तमान चरणगढ़का स्थान पर (नैर्ऋत के पर्वत के समीप) श्रेष्ठ गंगा और अलकनन्दा नदी के संगम के समीप बाल रूप में अवतरण किया और कृतन करने लगे। उनका रत्न मुक्त माना पत्नी की हृदय द्रवित हो उठा। फिर माता पत्नी और उनकी शिष्यी स्वयं उस बालक के समीप

उपस्थित हो गए। माता ने पूछ कि बालक तुम्हें या चरित्र? तो बालक ने ध्यानयोग करने हेतु यह स्थान भाग लिया। इस तरह से रूप बदल कर भगवान विष्णु ने शिव-पत्नी की साथ पूजा नागेश और यौक्त तुमने मेरी रक्षा बंदी युद्ध के रूप में की है सो आज से युद्ध बंदी के नाथ-बद्रीनाथ के नाम से जाना जायेगा। इस तरह से भगवान विष्णु का नाम बद्रीनाथ पड़ा।

जहाँ भगवान बद्रीनाथ ने तप किया था, वहीं पवित्र-स्थल आज तमकुण्ड के नाम से विदित-विद्यमान है और उसके तप के रूप में आज भी उस कुण्ड में हर मौसम में गर्म पानी उल्लस्य रहता है।

दर्शनीय स्थल
बद्रीनाथ में लक्ष्य इसके समीप अन्य दर्शनीय स्थल हैं-

का हृदय द्रवित हो उठा और उन्होंने स्वयं भगवान विष्णु के समीप खड़े हो कर एक बर (बंदी) के युद्ध का रूप ले लिया और समस्त हिम को अपने ऊपर सहने लगीं। माता लक्ष्मीजी भगवान विष्णु की रूप, वर्ण और हिम से बचने की कठोर तपस्या में जुट गयीं। कई वर्षों बाद जब भगवान विष्णु ने अपना तप पूर्ण किया तो देखा कि लक्ष्मीजी हिम से ढकी पड़ी हैं। तो उन्होंने माता लक्ष्मी के तप को देख कर कहा कि हे देवी! तुमने भी मेरी ही वगवत तप किया है सो आज से इस धाम पर मुझे तुम्हारे ही साथ पूजा नागेश और यौक्त तुमने मेरी रक्षा बंदी युद्ध के रूप में की है सो आज से युद्ध बंदी के नाथ-बद्रीनाथ के नाम से जाना जायेगा। इस तरह से भगवान विष्णु का नाम बद्रीनाथ पड़ा।

जहाँ भगवान बद्रीनाथ ने तप किया था, वहीं पवित्र-स्थल आज तमकुण्ड के नाम से विदित-विद्यमान है और उसके तप के रूप में आज भी उस कुण्ड में हर मौसम में गर्म पानी उल्लस्य रहता है।

दर्शनीय स्थल
बद्रीनाथ में लक्ष्य इसके समीप अन्य दर्शनीय स्थल हैं-

तपस्या की थी। ये जगह माणसा से 8 किलोमीटर दूर है। कहते हैं की जिसके ऊपर इसकी बूट्ट पड़ जाती है उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और वो पापी नहीं होता है।

लक्ष्मी वन - यह वन लक्ष्मी माता के वन के नाम से प्रसिद्ध है।

सतोष्ठी (स्वर्गविहिणी) - कहा जाता है कि इसी स्थान से राजा युधिष्ठिर ने संदेह स्वर्ग को प्रस्थान किया था।

अलकनगुरी - अलकनन्दा नदी का उद्गम स्थान। इसे धन के लक्षण कुंजर का भी निवास स्थान माना जाता है।

सरस्वती नदी - पूरे भारत में केवल माणसा गाँव में ही यह नदी प्रकट रूप में भगवान विष्णु के तप से उनकी जंघा से एक अमरा जलन हुई जो उसकी नाम से विद्यमान है। बद्रीनाथ बस्त्रों के समीप ही बामणी गाँव में उनका मंदिर है।

एक विचित्र की बात है... जब भी आज बद्रीनाथ की देवता के तप से उत्पन्न (चरणगढ़ पर्वत) की चोटी की ओर देखेंगे तो पारसी की मंदिर के उत्तर पर्वत की ओर देखेंगे के रूप में अस्तिष्ठ है। श्रेष्ठ गंगा के प्राकृतिक फलन पदार्थ जा सकते हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने आयुक्त संदीप रजक को राष्ट्रीय अवार्ड से किया स मानित

संदीप रजक को सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्यांगजन आयुक्त राष्ट्रपति अवार्ड मध्यप्रदेश के लिए गौरव

भोपाल। महाशक्ति राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने दिव्यांगजन संसर्गकरण के लिए राष्ट्रीय अवार्ड सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्याता आयुक्त अवार्ड से मध्य प्रदेश के आयुक्त नि:शाजन श्री संदीप रजक को विज्ञान भवन में स मानित किया। इस अवसर पर के द्रोपदी मंत्री सामाजिक न्याय डॉ जीरद कुमार,

मु यमत्रि श्री चौहान ने दिए ठंड के महेंजर व्यापक इंतजाम के निर्देश

भोपाल। मु यमत्रि श्री शिवराज सिंह चौहान ने समस्त नगरीय निवासियों को ठंड के महेंजर व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समस्त आश्रय स्थलों एवं सर्वजनिक स्थलों में ठंड से बचाने के लिये अलावा की व्यवस्था की जाए। आश्रय स्थल में नहले के लिए गर्म पानी, ओछों के लिए रज्जई एवं कंबल उपलब्ध कराये जायें। मोबाइल वैन के माध्यम से रज्ज के समय घरे लगाकर केचें को आश्रय स्थल तक सुविधाजनक तरीके से पहुँचाने सुनिश्चित करें।

उत्कृष्टता हेतु मु यमत्रि ने निम्नलिखित दिव्योक्तियों के शाहजाना पत्रक स्थित तन संसद का निष्प्रेषण किया था। श्री चौहान ने निम्नलिखित किया है कि ऐसे मामलों में जहाँ अर्थव्यवस्था निर्वाह नहीं है, वहाँ अर्थव्यवस्था के माध्यम से आश्रय स्थल प्रदान करने का समस्त शहरी केवों को आश्रय एवं अन्य राहत प्रदान किया जना सुनिश्चित करें।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती प्रथिमा भौमिक, श्री रामदस आठवले, श्री के. नारायण स्वामी सखिवि श्री गजेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव विश्वो यो जेनार्जना का लाभ दिलाने के लिये दिश्विरो, जननागर कता कार्यक्रम किए गए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन संसर्गकरण विभाग भारत सरकार द्वारा अंतर्देशीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर श्री रजक को महाशक्ति राष्ट्रपति द्वारा नीचे सात अवार्ड प्राप्त होना प्रसन्न के लिए गौरव की बात है। इस्के साथ ही मध्य राज्य को सुभाय भारत अभियान के कार्यान्वयन के लिए भी स मानित किया गया।

दुर्लभ हत्याकांड के आरोपित पर गोलियां चलाने वाले छह बदमाशों को भेजा जेल

उन्नीस। नानखेड़ थाने के समीप मंगलवार शाम को दुर्लभ करण हत्याकांड के आरोपित शाहनवाज की कार पर बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने 11 आरोपितों के हित्वाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। युववार को छह आरोपितों को गिर तार कर पिंटरवा के दो बाइक चोरों की है। सभी को जेल भेजा दिया गया।

बाद में छह दुर्लभ करण हत्याकांड का आरोपित शाहनवाज पुत्र शम्बीर को नैनीताल हेलवागढ़ मंगलवार को हस्तगृहण किया गया। वर्ष 2019 में हुई मारपीट के मामले में गवाही देने के लिए कोर्ट गया था। यहाँ कोर्ट परिसर में उसे अधिकृत वार्डनिक व एक अन्य ने घेरे लिया और जान से मारने की धमकी दी थी। कोर्ट में गवाही देकर शाहनवाज अपने सारे

भूमिका का निर्वहन किया गया है। प्रदेश में कार्यरत शासकीय एवं अशासकीय संगठनों को साथ में लेकर प्रत्येक जिले में दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये शिविरो, जननागर कता कार्यक्रम किए गए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन संसर्गकरण विभाग भारत सरकार द्वारा अंतर्देशीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर श्री रजक को महाशक्ति राष्ट्रपति द्वारा नीचे सात अवार्ड प्राप्त होना प्रसन्न के लिए गौरव की बात है। इस्के साथ ही मध्य राज्य को सुभाय भारत अभियान के कार्यान्वयन के लिए भी स मानित किया गया।

कि दोनों गोलियां किसी को नहीं लगीं। इस्के बाद बदमाश वहां से भाग निकले।

11 आरोपितों पर केस दर्ज, बाकी की तलाश

पुलिस ने मामले में शाहनवाज की रिश्ताकार पर अभिप्रेत शर्मा, बाबू टायर, पीयूष को सर, अभिप्रेत चार्ल्सी, स्यां उर्फ थरा सौदे, साजन पामरा, शुभम महावार, सचिव वर्मा, शैलू संतोष के हित्वाफ जानतेवहा हमले की घारा 307 संहिता अन्य के तहत केस दर्ज किया पड़ेची तो कुछ बदमाश बाइक से आए और कार रोक ली और उसी बाइक पर चढ़कर कार को गिरा दिया। सचिव वर्मा को गिर तार कर कोर्ट में भेजा किया था। जहाँ से उन्हें जेल भेजने के अतिरिक्त जारी दिए। पुलिस बाकी अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।

देश में पहली बार: इंदौर में महिला से पुरुष बने युवक ने की शादी, बहन की सहेली को बनाया पत्नी

इंदौर। इंदौर में पहली से पुरुष बने एक युवक ने खुदती से शादी की है। यह देश का पहला मामला है। युवागण संगठनों को साथ में लेकर प्रत्येक जिले में दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये शिविरो, जननागर कता कार्यक्रम किए गए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन संसर्गकरण विभाग भारत सरकार द्वारा अंतर्देशीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर श्री रजक को महाशक्ति राष्ट्रपति द्वारा नीचे सात अवार्ड प्राप्त होना प्रसन्न के लिए गौरव की बात है। इस्के साथ ही मध्य राज्य को सुभाय भारत अभियान के कार्यान्वयन के लिए भी स मानित किया गया।



बहन की सहेली से की शादी अस्तित्व में आया से शादी की है, जो उसकी बहन की सहेली है। आस्था को शुरू से ही इस बदावत

की जानकारी थी। उसे अलका के अस्तित्व बचने की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया गया था। आस्था का कहना था कि हमने बहुत विचार

मु यमत्रि श्री चौहान से जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शु ल ने की भेंट

भोपाल। मु यमत्रि शिवराज सिंह चौहान से आज समस्त भवन, मु यमत्रि निवास में जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शु ल ने भेंट की। मु यमत्रि श्री चौहान एवं मंत्री श्री शु ल ने परस्पर वधाईयों का आदान-प्रदान किया।

करने के बाद शादी करने का निर्णय लिया। दोनों परिवारों को भी इसमें कोई समस्या नहीं थी। इस्के बाद दोनों ने अगर कले तर रोशन गय को अपने स्थिति समन्वय हेतु विवाह का आवेदन किया।

या है स्पेशल मैरिज ए ट
सिंघल मैरिज ए ट सभी धर्मों पर लागू होता है। इस कानून के तहत शादी रजिस्ट्रार कार्यालय के लिए मंच बदावत की जरूरत नहीं है, फिर कब

मु यमत्रि श्री चौहान से जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शु ल ने की भेंट

भोपाल। मु यमत्रि शिवराज सिंह चौहान से आज समस्त भवन, मु यमत्रि निवास में जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शु ल ने भेंट की। मु यमत्रि श्री चौहान एवं मंत्री श्री शु ल ने परस्पर वधाईयों का आदान-प्रदान किया।

को हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध या किसी भी धर्म का हो। इस कानून के अंतर्गत भारत के हर नागरिक को ये संविधानिक अधिकार दिया गया है कि वो जिस धर्म या धर्म में चाहे, वहाँ शादी कर सकता है। युवागण कोट ने कहा है कि हांसनेडर की संविधान का मामला विधायकत्व के शर्तों को प्रकृति का है और इसे भी कानूनी मान्यता दी जानी चाहिए।

संयोग क रोनास्तल उत्पान, जिला भोपाल अग्रध हरीर ईरराने आदि शामिल हुए। केवक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि बच्चों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही संस्कार दिए जाएं। कानूनों को इस बात की जानकारी दे कि लव जिहाद तंत्र अंतरजातीय विवाह से या- वा उत्कृष्टन है।

देर से हो रहे विवाह पर चिंता
केवक में इस बात पर भी चिंता प्रकट की गई।

कर्ज लेकर विधायक बनने वाले कमलेश्वर डोडियार बाइक लेकर रतलाम से भोपाल विधानसभा भवन पहुंचे

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम तो जीकने वाले ही हैं। साथ ही कुछ ऐसे भी नाम हैं, जिन्होंने चुनाव जीतकर सभी को चौंका दिया। उनमें से एक नाम कमलेश डोडियार का है, जिन्होंने रतलाम की सीलना सीट से जीत कर सभी को चौंका दिया। दरअसल, कमलेश डोडियार ने भारत आदिवासी पार्टी से चुनाव लड़ने हेतु कांग्रेस के प्रत्याशी रूप लिये जबकि को पराजित किया है खास बात यह है कि कमलेश डोडियार ने 12 लाख रुपए कर्ज लेकर विधानसभा का चुनाव लड़ा और उनके माता-पिता दोनों मजदूरी करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते विधायक कमलेश को रतलाम से भोपाल तक का



सफर बाइक से तय करना पड़ा। गुरुवार को राजधानी भोपाल विधानसभा भवन पहुंचे भारत आदिवासी पार्टी से विधायक कमलेश डोडियार ने बताया कि उनके पास कार नहीं है और

उन्होंने कर्ज लेकर चुनाव लड़ा। ऐसे में उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। बस और ट्रेन से सफर करने में उन्हें काफी समस्या लगती है। इसलिए उन्होंने 350 किलोमीटर का सफर बाइक से ही तय किया। जब कमलेश डोडियार विधानसभा में अपने डॉ यूटैपे सवॉरिंट करने के लिए भोपाल पहुंचे तो उन्हें देखकर विधानसभा भवन के कचहरी हैरान हो गए। प्यार ब्यूके दरअसल

कमलनाथ के पीसीसी चीफ पद से इस्तीफे की अफवाह, प्रदेश कांग्रेस ने किया खंडन

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने पद से इस्तीफा देने की अटकलें ने जोर पकड़ा है। गुरुवार शाम खबर आई कि उन्होंने दिव्दि में शीर्ष नेतृत्व को अत्यास बताया। वता दें कि दिव्दि में होने वाली हाईलेवल मीटिंग में कमलनाथ के नेतृत्व से अग्रध पर से इस्तीफा देने के कयास लगाए जा रहे थे। कमलनाथ बतें छल सात से म्प कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। 2018 का चुनाव कमलनाथ को अटकलें हैं। 2023 के चुनाव में करारी हार के बाद से ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के पीसीसी चीफ का पद छोड़ने की अटकलें लग रही हैं। गुरुवार दे

कमलेश डोडियार ब्लैक कलर की स्लेंडर बाइक से विधानसभा भवन पहुंचे। विधायक को बाइक से आता देखा कर्मचारी हैरान हो गए। कमलेश की बाइक पर एलिंस में MLA लिखा हुआ था।

कहने सुनने और देखने में तो यह अजीब सा लग रहा है, लेकिन कमलेश डोडियार ने 12 लाख का कर्ज लेकर चुनाव लड़ा है, उन्होंने कांग्रेस में मंदिरवार चरित्र विजय गहलौती को 4618 वोट से पराजित किया। कमलेश्वर को 71,219 वोट मिले और रथ विजय को 66,601 वोट मिले। वहाँ भाजपा को संगीता चौरल तीसरे स्थान पर रही। इस स्थिति पर प्रदेश का सबसे अधिक मतदान (90.0%) हुआ था। यह वोट कमलेश्वर के लिए था।

कमलनाथ के पीसीसी चीफ पद से इस्तीफे की अफवाह, प्रदेश कांग्रेस ने किया खंडन

शाम कमलनाथ के इस्तीफा देने की जानकारी वायरल हो गई। इसके बाद कमलनाथ के भाईया समन्वयक पीयूष बनेले ने इस्तीफा देने की खबर का खंडन किया है। म्प कांग्रेस ने भी ट्विटर का खबर को धामक और अत्यास बताया। वता दें कि दिव्दि में होने वाली हाईलेवल मीटिंग में कमलनाथ के नेतृत्व से अग्रध पर से इस्तीफा देने के कयास लगाए जा रहे थे। कमलनाथ बतें छल सात से म्प कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। 2018 का चुनाव कमलनाथ को अटकलें हैं। 2023 के चुनाव में करारी हार के बाद से ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के पीसीसी चीफ का पद छोड़ने की अटकलें लग रही हैं। गुरुवार दे

संयोग क रोनास्तल उत्पान, जिला भोपाल अग्रध हरीर ईरराने आदि शामिल हुए। केवक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि बच्चों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही संस्कार दिए जाएं। कानूनों को इस बात की जानकारी दे कि लव जिहाद तंत्र अंतरजातीय विवाह से या- वा उत्कृष्टन है।

देर से हो रहे विवाह पर चिंता
केवक में इस बात पर भी चिंता प्रकट की गई।

